संक्रमण से बच्चों को बचाने के उपायों पर बाल विकास परियोजना कार्यालय, दीव द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

दीव 06 फरवरी, 2020: दीव के नागवा में बाल विकास परियोजना कार्यालय, दीव द्वारा बच्चों को संक्रमण से बचाने के उपायों पर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती गायत्री जाट ने उपस्थित महिलाओं को बाल पोषण के विविध आयामों से अवगत कराया।

बाल विकास परियोजना अधिकारी ने महिलाओं को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि अगर बच्चों को संक्रमण से बचाने के उपायों को कार्यान्वित किया जाता है तो इसका सबसे अच्छा परिणाम यह होगा कि हम अपने बच्चों को कुपोषण से बचा पायेंगे और शिशु-मृत्यु दर को भी न्यूनतम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को बोतल से दूध पिलाने की जगह स्तनपान की आदत डालनी चाहिए। इससे बच्चों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। बच्चों का समय-समय पर टीकाकरण कराया जाना चाहिए। विटामिन-ए के प्रयोग से बच्चों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता को विकसित किया जा सकता है। बच्चों को सदैव साफ, ताजी और गर्म खाना देना चाहिए, इससे उनमें बीमारी और संक्रमण के फैलने की संभावना नगण्य हो जाती है। शुद्ध जल के प्रयोग पर बल देते हुए बाल विकास परियोजना अधिकारी ने सभी महिलाओं को इसके प्रयोग की सलाह दी। उन्होंने खाने से पहले और खाने के बाद हाथ को साबुन से धोने की आदतों को विकसित करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि बच्चों में हाथ धोने की आदत को कैसे पैदा किया जाए। अमूमन देखा गया है कि बच्चे खेलकर या बाहर से आते हैं और गंदी हाथों से ही खाना शुरू कर देते हैं। ऐसा करने से रोगाणु भी पेट में चले जाते हैं और अनेक प्रकार के रोगों का जन्म होता है। अगर खाने से पहले हाथों को धोया जाए तो, रोगों के पनपने की संभावना प्राय: समाप्त हो जाती है। बच्चों को यह समझाना बेहद अनिवार्य है कि हाथ धोकर खाने और साफ-सफाई का जीवन में कितना महत्व है। इस शिविर में छ: माह के बच्चों के लिए अन्न-प्राशन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।